[श्री दिगम्बर सिंह]

से मथुरा वृन्दावन, गोकुल, नन्दगांव, कोसी और भरतपुर को कुकिंग गैस की भूमिगत लाइन डाल कर कनैक्शन देने का अनुरोध करता हूं। कारखाने में जहां मथुरा को अनेक असुविधाएं जैसे वायु और यमुना के पानी का गंदा होना, पानी का स्तर भूमि में नीचे चला जाना, शुद्ध शाकाहारी जनता में बाहर के मांसाहारी लोगों के आने के कारण मांसाहारी होटल खुलना, ठंडाई पीने वाले वृजवासियों के बीच में शराब पीने वालों का आकर वातावरण खराब करना, राधा कृष्ण की परम्परा के अनुसार बृज की रासलीला और नृत्य के बीच में विदेशी गाने और नृत्य का बढ़ना आदि बुराइयों को सहन करना पड़ रहा है तो उनको कम से कम यह कुकिंग गैस की सुविधा तो प्राप्त होनी ही चाहिए। मेरा माननीय मत्री जी से निवेदन है कि शीघ्र इसकी व्यवस्था करने की वह कृपा करें।

(x) Indiscrimate cutting of trees in Purnia, Bihar.

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिया) : वायु-मडल प्रदूषण, वनों का साफ किया जाना, पेड़ों की कटाई आदि ने आज हमारे देश में गंभीर समस्या का रूप धारण कर लिया है। प्राकृतिक सौंदर्य और नैसर्गिक सुषमा में समृद्ध हमारा देश आज प्रकृति के संरक्षण और सवर्धन के प्रति घोर उपेक्षा बरत रहा है। आज लोगों को प्राकृतिक सौंदर्य में आकर्षण नहीं है। कई किस्म के विशाल एवं दुर्लभ वृक्ष साफ किए जा रहे हैं। परम्परागत सौंदर्य नष्ट हो रहा है। बिहार में पूर्णिया जिला इसका प्रमाण है। वहां अस्थायी स्वार्थ की पूर्ति के लिए मनुष्य वृक्षों को कितनी हानि पहुंचा रहा है, यह उसका ज्वलन्त उदाहरण है। पेड़ पौध हमारी राष्ट्रीय सम्पत्ति हैं। वे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। हमारे धर्म और संस्कृति से उनका गहरा संबंध है। पूर्णिया में वृक्षों की कुछ स्वार्थी व्यक्तियों द्वारा बेतहाशा कटाई की जा रही है। इस से वातावरण की जो हानि हो रही है उसकी कल्पना भी कठिन है। किसी समय उपयोगी, मनोहर और आकर्षक वृक्षों के लिए प्रसिद्ध था और इन से उत्पन्न पुष्प और फल, जड़ी बूटियां सुन्दर मजबूत इमारती लकड़ी आदि जन साधारण के लिए हितकारी और सुख समृद्धि का साधन थीं। आज पूर्णिया शुष्क पेड़ पौधों से वंचित बंजर जिला प्रतीत होता है। मैं पूर्णिया में वृक्षों की बिना हिचकिचाहट की जा रही कटाई पर रोक लगाने के लिए केन्द्रीय सरकार का सहयोग चाहती हूं। बुद्ध और महाबीर की कर्मस्थली बिहार प्रदेश की प्राकृतिक छटा और नसर्गिक सौंदर्य की रक्षा हम सब का पावन कर्तव्य है। मैं आशा करती हूं कि भारत सरकार इस दिशा में तुरन्त प्रभावशाली कार्य-वाही करेगी।

15.05 hrs.

SPECIAL COURTS (REPEAL) BILL

MR. CHAIRMAN: Now we take up Special Courts (Repeal) Bill. For this Bill only 25 minutes are left as per time allocation made by the Business Advisory Committee, Therefore, I want that all those Members who are keen to speak should be brief. Many points are being repeated. This will provide an opportunity to other Members to give their suggestions and views. Shri Era Anbarasu.

SHRI ERA ANBARASU (Chengalpattu): I stand to support the repeal of the Special Courts (Repeal) Bill. Many reasons for the repeal have already been given. The experience in